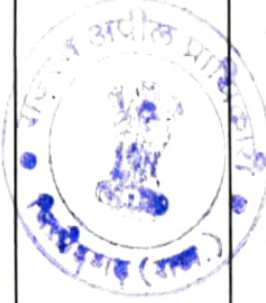


8/6/23



पत्रावली प्रस्तुत हुई। अधिवक्ता अपीलांट एवं उभयपक्षकारान अनुपस्थित। पत्रावली का अवलोकन किया गया। अधिवक्ता अपीलांट द्वारा दिनांक 06.03.2018 के पश्चात रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 से 7 के सम्मन नोटिस कई अवसर दिये जाने के बावजूद प्रस्तुत नहीं किये गये। इस बाबत दिनांक 21.04.2022 को अन्तिम अवसर दिया गया एवं दिनांक 13.07.2022 को न्यायहित में एक अवसर ओर दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि अपीलांट की ओर से न तो कोई ठोस कारण प्रस्तुत किये जा रहे हैं ओर न ही सम्मन नोटिस प्रस्तुत किये जा रहे हैं। अपीलांट अधिवक्ता द्वारा दिनांक 15.09.2016 को एकतरफा स्थगन आदेश प्राप्त करने के उपरान्त केवल एक ही बार दिनांक 21.11.2017 को रेस्पोंडेन्ट्स की तलबी हेतु सम्मन नोटिस प्रस्तुत किये। स्थगन आदेश आदिनांक प्रभावी रहा है। अधिवक्ता अपीलांट की अपील चलाने में कोई रूचि नहीं होना प्रतीत होता है। ऐसी स्थिति में आदेश 9 नियम 5 सी.पी.सी. के प्रावधानों की रोशनी में रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 से 7 समस्त रेस्पोंडेन्ट के विरुद्ध यह अपील निरस्त की जाती है।

पत्रावली में आज बार-बार आवाज लगवाने के उपरान्त भी अपीलांट असालतन अथवा वकालतन उपस्थित नहीं हुये।

उपर्युक्त समस्त कारणों से अपील अपीलांट निरस्त की जाती है। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली निर्णित होकर नम्बर से कम हो।

8/6/2023
(मितेश श्री मालवीय)
राजस्थान अधीन प्राधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)
चित्तौड़गढ़